

Cricketers give management lessons to IIM students

● OUR STAFF REPORTER
Indore

Former Indian Cricketers Venkatesh Prasad and Sunil Joshi participated in an interactive session with the students of IIM Indore on Thursday wherein they spoke about their career in cricket and also related some of its interesting aspects with the management.

The session organised by the Students Sports Committee of the Institute was attended by Professor Rishikesh T. Krishnan, Director, IIM Indore, students and staff members.

The session began with the video clippings of some memorable career moments of the cricketers, which was followed by a detailed discussion with the students on various issues. Joshi and Prasad answered to the questions about the key moments in their respective careers, pressure of representing the country, handling appreciation and criticism, inspiration for keeping on the hard work, challenges in the path,



Interactive Session with former Indian Cricketers Sunil Joshi and Venkatesh Prasad at the IIM. FP photos

etc. Both the sportsmen answered to each of the queries and shared some interesting stories behind their success with the students.

Prasad spoke about handling pressure and on-field aggression, wherein he

shared with the gathering how he used to channel his aggression in a positive manner towards giving his best performance on the field and the strategy always brought best results for him, something that the management students can also apply

in their respective careers," he advised.

Joshi recalled how he used to walk several kilometers as a child early in the morning to attend his cricket practice sessions and the zeal to attain perfection in the sport drove him to work

hard every day. He advised the students to be never afraid of hard work and relentlessly strive for excellence.

The students then put up various questions about the cricketers' experience with other legendary cricketers

like Sachin Tendulkar, Anil Kumble, Rahul Dravid, etc. The duo cricketers encouraged the students to be a team player and as a leader always be aware of the dynamics of their team and utilise it in the best possible way.

Free Press, August 8, 2014, Page-13 (Indore City)

IIM-I students meet ace cricketers

TIMES NEWS NETWORK

Indore: Students of Indian Institute of Management, Indore (IIM-I), got a chance to meet Indian cricketers who had shown their mettle on ground.

Students Sports Committee of the institute organised an interactive session with former Indian Cricketers Sunil Joshi and Venkatesh Prasad on Thursday, wherein cricketers spoke about their careers and their interesting interactions with the team management.

The session was attended by director of IIM-I Professor Rishikesha T. Krishnan.

The session began with video collages of memorable career moments of cricketers. This was followed by a discussion, with students on various issues. Both answered questions about key moments in their respective careers, pressure of representing the



ALL EARS: Students listening intently as cricketers shared their experiences at IIM, Indore. Former cricketers Sunil Joshi and Venkatesh Prasad during the interactive session at IIM on Thursday

country, handling appreciation and criticism, inspiration for hard work and overcoming challenges. Joshi recalled how he used to walk several kilometres early in the morning to attend his cricket practice sessions. His zeal to attain perfection in sports

drove him to work harder every day. He advised students to never be afraid of hard work and relentlessly strive for excellence.

While Prasad spoke about handling pressure and on-field aggression, wherein he shared with the gathering his experi-

ences on how he used to channel his aggression in a positive manner towards giving his best on the field and that strategy always brought best results for him; a tactic management students can also apply in their respective careers, he said.

Students then asked

various questions about cricketers' experience with other legendary cricketers such as Sachin Tendulkar, Anil Kumble and Rahul Dravid. They encouraged students to be team players and as leaders to always be aware of the dynamics of their team.

Former cricketers interact with IIM-Indore students

INDORE: Former Indian cricketers Sunil Joshi and Venkatesh Prasad participated in an interactive session with the students of IIM-Indore on the campus on Thursday of the institute. Organised by the Students Sports Committee of the institute, the cricketers spoke about their career in cricket and also related some of its interesting aspects with management. The session was attended by IIM-Indore director professor Rishikesh T Krishnan, students and staff members of the institute.

Hindustan Times, August 8, 2014, Page-2

क्रिकेटरों ने सिखाया मैनेजमेंट

आईआईएम के इंटरैक्टिव सेशन में फेमस क्रिकेटर सुनील जोशी और वेंकटेश प्रसाद ने शेयर की सक्सेस

plus रिपोर्ट

indoreplus@patrika.com

इंदौर. बिना मेहनत किए सक्सेस मिल जाना किसी भी फील्ड में संभव नहीं है। जब मैं छोटा था तो कई किलोमीटर पैदल चलकर क्रिकेट प्रैक्टिस के सेशन के लिए जाता था उसी की वजह से अपने स्पोर्ट्स में भी परफेक्शन ला पाया। ये बात कही फेमस क्रिकेटर सुनील जोशी ने। वे आईआईएम के स्टूडेंट स्पोर्ट्स कमेटी के लिए आयोजित इंटरैक्टिव सेशन में बतौर वक्ता संबोधित कर रहे थे। प्रोग्राम में उनके साथ अपने समय के फेमस क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने भी स्टूडेंट्स की क्वेरीज सॉल्व कर उन्हें मोटिवेट किया।



सवाल के जवाब देते हुए सुनील जोशी और वेंकटेश प्रसाद

स्टूडेंट की क्वेरीज की सॉल्व खेल में शो करते एग्जेशन

सेशन की शुरुआत उन्होंने कैरियर के मैमोरेबल वीडियो क्लिपिंग दिखाकर की। इसके बाद स्टूडेंट्स की क्रिकेट में कैरियर बनाने को लेकर क्वेरीज सॉल्व की। कंट्री के लिए खेलते वक्त रिस्पॉन्सबिलिटी और माइंड प्रेशर को हैंडल करना, हार गए तो क्रिटिसिज्म सुनना और जीतने पर एग्रीसिएशन मिलना जैसे कई पहलुओं के जरिये उन्होंने स्टूडेंट को लाइफ में मैनेजमेंट और हार्ड वर्क की सीख दी।

सेशन में प्रसाद ने कहा फील्ड पर खेलते समय एग्जेशन को काबू में रखना बहुत बड़ी प्रॉब्लम थी, क्योंकि एग्जेशन वहां शो करना अपोजिट थीम के लिए पॉजीटिव होता था। उस वक्त हम अपना एग्जेशन अपने खेल में ही शो करते थे। और यही स्टूडेंट लाइफ में आपको भी करना चाहिए। इस प्रोग्राम में प्रोफेसर ऋषिकेश और डायरेक्टर टी ऋषिकेश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हार्ड वर्क करें, एक्सीलेंस के लिए मेहनत जरूरी



आईआईएम में सुनील जोशी और वेंकटेश प्रसाद ने शेयर की अपनी सक्सेस जर्नी।

इंदौर। 'मुझे आज भी याद आते हैं वे दिन जब मैं क्रिकेट की प्रैक्टिस के लिए कई किलोमीटर दूर जाया करता था। रोजाना प्रैक्टिस करने से ही मेरे खेल में परफेक्शन आ सका। हमें हार्ड वर्क से कभी घबराना नहीं चाहिए। एक्सीलेंस के लिए मेहनत करना जरूरी होता है।' ये बातें शेयर की जाने-माने क्रिकेटर सुनील जोशी ने।

श्री जोशी के साथ क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद गुरुवार को शहर आए। उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में हुए इंटरैक्टिव सेशन में अपनी सक्सेस जर्नी बताई। क्रिकेटर्स ने स्टूडेंट्स को मोटिवेट करने के लिए अपनी लाइफ

आईआईएम में हुए इंटरैक्टिव सेशन में बोले क्रिकेटर्स

से जुड़े कई पुराने किस्से सुनाए। इस दौरान कई स्टूडेंट्स ने उनसे प्रश्न किए। दोनों क्रिकेटरों को अपने बीच पाकर स्टूडेंट्स काफी उत्साहित नजर आए।

क्रिकेटर्स पर पूछे प्रश्न

स्टूडेंट्स ने दोनों क्रिकेटर्स से कई महान क्रिकेटर्स के बारे में प्रश्न किए। उन्होंने सचिन तेंडुलकर, अनिल कुंबले जैसे प्लेयर के साथ हुए घटनाक्रमों को पूछने में दिलचस्पी दिखाई। इस मौके पर संस्थान के डायरेक्टर ऋषिकेश टी. कृष्णन भी मौजूद थे।

वीडियो विलपिंग से शुरू हुआ सेशन

सेशन की शुरुआत वीडियो विलपिंग से हुई। इसमें दोनों क्रिकेटर्स के मेमोरेबल विलप स्टूडेंट्स को दिखाए गए। वेंकटेश प्रसाद ने क्रिकेट में सफलता के लिए अपनाए गए फंडे मैनेजमेंट के साथ जोड़कर बताए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट की फील्ड में उन्होंने अपनी आक्रामकता को हमेशा पॉजीटिव वे में यूज किया। इसी स्टैटजी से उन्हें हमेशा बेस्ट रिजल्ट मिले। उन्होंने कहा यदि अपनी आक्रामकता को विभागीय लगाकर पॉजीटिव तरीके से यूज किया जाए तो हर फील्ड में बेस्ट रिजल्ट आसानी से पाए जा सकते हैं। फिर चाहे वो क्रिकेट हो या मैनेजमेंट।

Nai Dunia, August 8, 2014, page-17 (City Live)

करेक्ट स्ट्रेटजी से मिलेंगे बेस्ट रिजल्ट्स

INTERACTIVE SESSION

सिटी रिपोर्टर ► इंदौर

बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए अग्रेशन को पॉजीटिव मैनर में यूज करें। करेक्ट स्ट्रेटजी से हमेशा बेस्ट रिजल्ट्स मिलेंगे। इसे मैंने अपनी लाइफ में अप्लाय किया और सक्सेस हासिल की। यह कहना है फॉर्मर क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद का। वे गुरुवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर में स्टूडेंट्स को मोटिवेट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पॉजीटिवली थिंक करने से प्रेशर को और ऑन फील्ड एग्रेशन को हैंडल करने में मदद मिलती है। फॉर्मर क्रिकेटर सुनील जोशी ने कहा कि स्पोर्ट्स में परफेक्शन लाने वाली जील ने मुझे हार्डवर्क करने के लिए ड्राइव किया। इसलिए किसी भी काम को करने के लिए जील होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कभी भी हार्डवर्क करने में पीछे ना रहें और ना ही इससे डरें। एक्सीलेंस को हासिल करने की हमेशा कोशिश करें। आईआईएम, इंदौर के डायरेक्टर ऋषिकेश टी. कृष्णन मौजूद थे।

**Dainik Bhaskar, August 8,
2014, Page-21 (City Bhaskar)**